(ग) उस पर भारत सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ; और

(घ) क्या पाकिस्तान ने यह आरोप अपनी सेनाओं द्वारा भारतीय सीमा का उल्लंघन को छिपाने के लिए लगाया है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया) : (क) और (ख) 3 अगस्त, 1992 के एक वक्तव्य में पाकिस्तान ने यह आरोप लगाया था कि भारतीय फौजें वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति को भड़का रही हैं ।

(ग) और (घ) सरकार इस आरोप को अस्वीकार करती है । 2 अगस्त, 1992 के एक बयान में सरकार ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान की ओर से सशस्त्र कार्यवाही बढ़ा देने पर चिन्ता व्यक्त की थी ।

Visa Issued to Foreign Tourists

4672. SHRI V. NARAYANASAMY: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there are differences between the Ministry of External Affairs and the Department of Tourism on visas issued to the foreign tourists;

(b) whether it is a fact that the restrictions imposed by the External Affairs Ministry for issue of visa to foreign tourists is bringing down tourist inflow into the country; and

(c) if so, whether any settlement has been arrived at between these two Ministries on Visa issue?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R. L. BHATIA): (a) No, Sir.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

Relations with Afghanistan

4673. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the reported Statement of an Afghan diplomat that Afghanistan wants to develop very close relations with India;

(b) whether this statement precedes the return of all Afghans of Indian origin ousted from Afghanistan; and

(c) what reaction of the Government thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R. L. BHATIA): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Government hope that the prevailing unstable conditions in Afghanistan will improve in the near future, enabling the return of Afghans of Indian origin to Afghanistan in safety.

सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में भारत

4674. **श्री राम गोपाल यादव** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पूर्व सोवियत संघ के विघटन के पश्चात बदली हुई अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का विचार रखती है ;

(ख) क्या इस संबंध में गुट निरपेक्ष देशों का समर्थन पाने के लिए कोई प्रयास किए जा रहे हैं ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडवार्डो फलेरियो) : (क) से (ग) भारत का निरन्तर यह मत रहा है कि संयुक्त राष्ट्र और उसकी सुरक्षा परिषद को